वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान में मनाये गये हिन्दी दिवस समारोह की रिपोर्ट - 2021

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार हेतु 1-14 सितम्बर 2021 तक हिंदी पखवाडा समारोह मनाया गया। 01 सितम्बर 2021 को प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता के साथ हिंदी पखवाडा का शुभारंभ किया गया जिसमें सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों ने हर्षोल्लास से भाग लिया। 03 सितम्बर 2021, 06 सितम्बर 2021 और 08 सितम्बर 2021 को अन्य तीन प्रतियोगिताओं जैसे हिंदी वाचन, टंकण और निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें सभी अधिकारियों एवं कार्मिकों ने भाग लिया।

14 सितम्बर 2021 हिंदी दिवस के दौरान पखवाडे का समापन समारोह मनाया गया। इस समारोह में संस्थान के निदेशक डॉ.सि.कुञ्ञिकण्णन, समूह समन्वयक डॉ.आर.यशोधा, वैज्ञानिक-जी, राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष डॉ.ए.सी.सूर्य प्रभा, वैज्ञानिक-डी, राजभाषा कार्यान्वयन समिति के नोडल अधिकारी श्रीमती के.शांति, मुख्य तकनीकी अधिकारी, कनिष्ठ अनुवादक श्रीमती पूंगोदै कृष्णन एवं विभिन्न प्रतियोगिताओं में पुरस्कार प्राप्त करने वाले विजेताओं ने भाग लिया। अन्य सभी अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं कार्मिकों ने वेबिनार के माध्यम से भाग लिया। इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम डॉ.ए.सी.सूर्य प्रभा, वैज्ञानिक-डी एवं अध्यक्ष(राजभाषा कार्यान्वयन समिति) ने सभा में उपस्थित एवं वेबिनर द्वारा भाग ले रहे सभी अधिकारियों, वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों का स्वागत करते हुए कहा कि पिछले तेरह वर्षों से हिंदी दिवस समारोह का आयोजन करते आ रहे है और भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य की प्राप्ति के लिये हम निरंतर प्रयास करते आ रहे है और उसी के फलस्वरूप 2015-16, 2018-19 और 2019-20 वर्ष में राजभाषा के कार्यान्वयन में प्रगति के लिये संस्थान को भा.वा.अ.शि.प राजभाषा पुरस्कार प्राप्त हुआ। राजभाषा के महत्व को बताते हुए अपनी भाषण को विराम दिया। इसके उपरान्त श्रीमती के.शांति, मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं राजभाषा के नोडल अधिकारी ने सभी के समक्ष राजभाषा का वार्षिक प्रगति रिपोर्ट (2020-21) पेश किया और अंत में कहा कि सभी के सहयोग से

ही राजभाषा लक्ष्य की प्राप्ति के ओर हम आगे बढते आ रहे है और आशा है कि भविष्य में भी आगे बढते रहेंगे।

संस्थान के समूह समन्वयक (अनुसंधान) डॉ.आर.यशोधा, वैज्ञानिक-जी ने अपने भाषण में राजभाषा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारत सरकार द्वारा 14 सितम्बर 1949 को हिन्दी को राजभाषा के रूप में चुना गया। और हिंदी को भारत की राजभाषा बनाने की दिशा में श्री व्यौहार राजेंद्र सिंह ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है इसलिय उनके जन्मदिन को हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है। राजभाषा के अधिनियमों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अंतर्गतत आने वाले सभी पत्रों को द्विभाषी में जारी करना चाहिये और राजभाषा अधिनियम 1976 के अंतर्गत सभी केंद्रीय सरकार कर्मचारियों को हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान होना आवश्यक है इसलिये सभी को हिंदी शिक्षण योजना के तहत हिंदी प्रशिक्षण दिया जाता है। आगे कहा कि जहाँ तक हो सकें भारत सरकार की नियमों का पालन करते हुये दिन प्रति दिन के कार्यों में राजभाषा को अमल में लाना चाहिये।

उसके बाद संस्थान के निदेशक डॉ.सि.कुञ्ञिकण्णन महोदय जी ने प्रतियोगिताओं के विजेताओं को प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार देकर उन्हें सम्मानित किया और सभी सहभागिताओं को भी प्रमाणपत्र देकर उन्हें प्रोत्साहित किया। पुरस्कार वितरण के बाद निदेशक जी ने अपने भाषण में संस्थान के द्वारा राजभाषा कार्यान्वयन में की गई प्रगति के लिए बधाई दी और अपने अनुभव द्वारा जीवन में भाषा के महत्व को विस्तार से बताया। हिन्दी एक भाषा को सीख लेने से देश की किसी भी कोने में जाकर एक व्यक्ति अपना जीवन सफल रूप से व्यतीत कर सकता है। हिन्दी हमारी राजभाषा है इसलिए सभी को हिन्दी सीखने का प्रयास करना चाहिये। प्रतियोगिताओं में भाग लेकर विजय हुए विजेताओं को बधाईयाँ दी और आगे कहा कि इसी तरह राजभाषा से सम्बंधित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर उसके प्रचार-प्रसार में अपना योगदान दें।

समारोह का समापन श्रीमती पूंगोदै कृष्णन, कनिष्ठ अनुवादक द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

निदेशक जी का भाषण

समूह समन्वयक (अनुसंधान) के द्वारा भाषण

पुरस्कार वितरण

विजेताओं को पुरस्कार देते हुए

प्रशासनिक शब्दावली प्रतियोगिता

हिंदी वाचन प्रतियोगिता

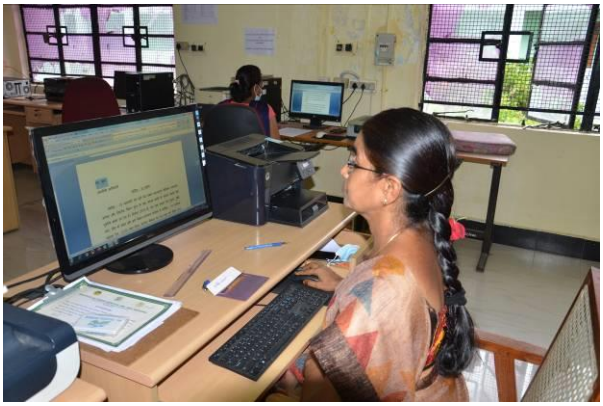

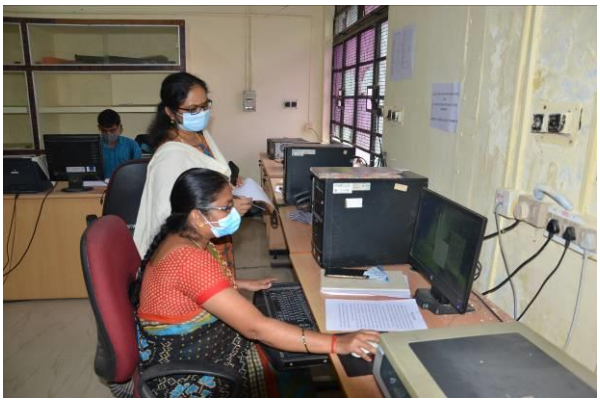

हिंदी टंकण प्रतियोगिता